098 सूरह बय्यीनह. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,

बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» **सूरह का मोज़ू हे मुहम्मदﷺ के दीन की खिदमत, और ये कि यही दीन शुरू से चला आ रहा हे, दीन की बुनियादी तालीमात क्या हे? मान्ने वाले "धरती के पवित्र (बेहतरीन) लोग", और ना मान्ने वाले "धरती के अपवित्र (बदतरीन) लोग"**.

अहले किताब (यहूद और नसारा) और दुन्या भर के काफिर और मुशरिक लोग जिस कुफ्र और शिर्क की हालत मे मुबतला थे उस्से उन्का निकलना इस्के बगैर नामुमकिन ना था कि उन्के पास एक ऐसा रसूल भेजा जाये जिस्का वजूद खुद उस्की नुबुव्वत और सच्चे रसूल होना का एलान पर रोशन दलील हो, जो पाकीज़ा सहीफे पढकर सुनाये, उस्के बाद फरमाया कि तमाम नबियो का तरीका एक ही रहा हे यानी पूरी दुन्या से ताल्लुक खत्म करके सिर्फ उसीकी होकर एक अल्लाह की इबादत करना, नमाज़ कायम करना, ज़कात अदा करना, यही सही दीन हे, खुली हुई हिदायत के आ-जाने के बाद कुफ्र और शिर्क मे मुबतला रहने वाले अल्लाह तआला के नज़दीक कायनात की बदतरीन मखलूक हे. ईमान वाले और नेक लोग कायनात की बेहतरीन मखलूक हे, ये हमेशा-हमेशा की जन्नत मे होगे, अल्लाह तआला इन्से राज़ी और ये उस्से राज़ी, ये सब कुछ उस शख्स के लिये हे जिस्के दिल मे अपने रब का खौफ हो.